# CITIZEN'S CHARTER




महाराष्ट्र शासन

विधि व न्याय विभाग

जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर

## नागरिकांची सनद

सन २०२६

दिनांक २ मे , २०२६

# नागरिकांची सनद

**संदर्भ -** मा. प्रधान सचिव, (प्र.सु. व र. व कां.), सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, मुंबई यांचे पत्र अ.शा.प.क्र. नासद १५१८/प्र.क्र. ६३/१८-अ, दिनांक ०४/०२/२०२१

उपरोक्त संदर्भीय पत्राच्या अनुषंगाने न्यायीक जिल्हा चंद्रपूर, अंतर्गत चंद्रपूर मुख्यालयी तसेच जिल्ह्यातील तालुका स्तरावर सध्या कार्यरत असणा-या सर्व न्यायालयीन आस्थापनांची माहिती, जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर, या आस्थापनेच्या संकेतस्थळावर नागरिकांची सनद असा विषय नमुद करून याव्दारे, खालीलप्रमाणे प्रसिध्द केली जात आहे.

| | | |
|---|---|---|
| कार्यालयाचा पत्ता | - | जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर<br>बस स्टँड समोर, चंद्रपूर – ४४२४०१. |
| संपर्कासाठी कार्यालयीन दुरध्वनी क्रमांक | - | ०७१७२ – २५६२०२ |
| ई-मेल आयडी | - | mahchadc@mhstate.nic.in<br>courtchandrapur@gmail.com |
| वेबसाईट | - | https://chandrapur.dcourts.gov.in |

# जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर

न्यायीक जिल्हा चंद्रपूर या जिल्ह्यांतर्गत चंद्रपूर मुख्यालयी खालील संवर्गनिहाय न्यायालयांचे कामकाज चालते.

| अ. क्र. | आस्थापनेचे नांव | संवर्गनिहाय कार्यरत न्यायालये |
|---|---|---|
| १ | जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर. | प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश , चंद्रपूर. |
| | | जिल्हा न्यायाधिश-१ तथा अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर. |
| | | जिल्हा न्यायाधिश-२ तथा अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर. |
| | | जिल्हा न्यायाधिश-३ तथा अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर. |
| | | जिल्हा न्यायाधिश-४ तथा अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर. |
| | | तदर्थ जिल्हा न्यायाधिश-१ तथा अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर. |
| २ | दिवाणी न्यायालय,वरिष्ठ स्तर, चंद्रपूर | दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर), चंद्रपूर. |
| | | सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | २ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | ३ रे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | ४ थे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | ५ वे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | ६ वे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| | | ७ वे सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| ३ | मुख्य न्यायदंडाधिकारी यांचे न्यायालय, चंद्रपूर. | मुख्य न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. |
| ४ | जिल्हा विधि सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर | अध्यक्ष, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर. |
| | | सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर. |
| ५ | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा प्रथम वर्ग न्यायदंडाधिकारी, चंद्रपूर. | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | २रे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | ३रे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | ४थे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | ५वे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर तथा न्यायाधीश, बाल न्यायमंडळ, चंद्रपूर. |
| | | ६वे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | ७वे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | श्रीमती के.एस. वर्मा, अतिरीक्त सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |
| | | श्रीमती एस.ए. इनके, अतिरीक्त सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चंद्रपूर. |

न्यायीक जिल्हा चंद्रपूर या जिल्ह्यांतर्गत तालुका स्तरावर खालील संवर्गनिहाय न्यायालयांचे कामकाज चालते.

चंद्रपूर जिल्ह्यांतर्गत तालुका स्तरांवरील न्यायालयीन आस्थापना

| अ.क्र. | ठिकाण | आस्थापनेचे नांव | संवर्गनिहाय कार्यरत न्यायालये |
|---|---|---|---|
| १ | वरोरा | जिल्हा न्यायालय-१, वरोरा | जिल्हा न्यायाधीश-१ व अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश, वरोरा, जि. चंद्रपूर |
| | | दिवाणी न्यायालय (वरिष्ठ स्तर), वरोरा | दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर), वरोरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) तथा अतिरीक्त मुख्य न्यायदंडाधिकारी, वरोरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | सह दिवाणी न्यायालय (कनिष्ठ स्तर), वरोरा | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, वरोरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | २रे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, वरोरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| २ | चिमूर | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, चिमूर | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, चिमूर, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ३ | भद्रावती | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, भद्रावती | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, भद्रावती, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, भद्रावती, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ४ | बल्लारपूर | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, बल्लारपूर | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, बल्लारपूर, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ५ | राजूरा | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, राजुरा | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, राजुरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, राजुरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | २रे सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, राजुरा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ६ | कोरपना | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, कोरपना | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, कोरपना, जिल्हा चंद्रपूर |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, कोरपना, जिल्हा चंद्रपूर |
| ७ | गोंडपिपरी | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, गोंडपिपरी | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, गोंडपिपरी, जिल्हा चंद्रपूर |
| ८ | पोंभूर्णा | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, पोंभूर्णा | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, पोंभूर्णा, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ९ | मुल | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, मुल | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, मुल, जिल्हा चंद्रपूर. |
| १० | सावली | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, सावली | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सावली, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सावली, जिल्हा चंद्रपूर. |
| ११ | सिंदेवाही | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, सिंदेवाही | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, सिंदेवाही, जिल्हा चंद्रपूर. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| १२ | नागभिड | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, नागभिड | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, नागभिड, जिल्हा चंद्रपूर. |
| १३ | ब्रम्हपुरी | दिवाणी व फौजदारी न्यायालय, ब्रम्हपूरी | दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, ब्रम्हपूरी, जिल्हा चंद्रपूर. |
| | | | सह दिवाणी न्यायाधीश (कनिष्ठ स्तर) तथा न्यायदंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, ब्रम्हपूरी, जिल्हा चंद्रपूर. |

चंद्रपूर जिल्हयातील वर नमुद सर्व न्यायालये ही दिवाणी प्रक्रिया संहिता, फौजदारी प्रक्रिया संहिता व इतर कायदे तसेच मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांनी ठरवुन दिलेले दिवाणी नियमावली व फौजदारी नियमावली नुसार त्यांच्या न्यायालयास प्राप्त असलेल्या त्या-त्या प्रादेशीक कार्यक्षेत्रानुसार तसेच त्यांना प्राप्त वित्तीय अधिकारानुसार न्यायदानाचे कामकाज करतात.

## प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर व सर्व जिल्हा न्यायाधीश व अतिरीक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रपूर यांचे न्यायालयात खालीलप्रमाणे प्रकरणे दाखल होतात.

### दिवाणी प्रकरणे

मुल्यांकन मर्यादेनुसार अधिकार असलेल्या प्रकरणांमधील दिवाणी न्यायाधीश वरीष्ठ स्तर, दिवाणी न्यायाधीश कनिष्ठ स्तर यांचा निकाल व हुकूमनाम्याचे विरूध्दची अपिलांची प्रकरणे तसेच मोटार अपघात नुकसान भरपाई अंतर्गत येणारी प्रकरणे, लवाद व समेट अधिनियम अंतर्गत येणारी प्रकरणे दाखल होतात व नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात. भू-संपादन कायद्यांतर्गत येणारी प्रकरणे ही दाखल होवुन नियमानुसार निकाली काढण्यासाठी दिवाणी न्यायालय वरिष्ठ स्तर यांचेकडे वर्ग केली जातात किंवा जिल्हा न्यायालयात निकाली काढली जातात.

प्रशासकीय किंवा इतर काही सबळ कारणांवरून जिल्हायातील कोणत्याही न्यायालयातुन दिवाणी स्वरूपाची प्रकरणे आवश्यक त्या न्यायालयात वर्ग करण्याचा अधिकार प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश यांना आहेत.

जिल्हा न्यायाधीश यांना रक्कम रूपये एक कोटी मुल्य मर्यादेपर्यंत अपील निकाली काढण्याचे अधिकार आहेत. जिल्हा न्यायाधीश-१ यांना रक्कम रूपये एक कोटीचे पुढील वाणीज्य प्रकरणे दाखल करून घेण्याचे व ते नियमानुसार निकाली काढण्याचे अधिकार आहेत. तसेच त्यांचेकडे वाणीज्य प्रकरणांचे दिवाणी न्यायाधीश, वरिष्ठ स्तर यांचेकडील निकाली प्रकरणांचे अपीलांची प्रकरणे दाखल होतात व ते नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात.

### फौजदारी प्रकरणे

जसे न्यायदंडाधिका-याने सत्र न्यायालयाचे अधिकार क्षेत्रात येणा-या गुन्हयाची दखल घेवुन सत्र न्यायालयाकडे वर्ग केलेला सदर खटला सत्र खटला नोंदणीकृत करून नियमानुसार पुरावा नोंदविल्यानंतर निकाली काढण्यात येतात. तसेच न्यायदंडाधिका-यांनी फौजदारी प्रकरणांत दिलेल्या शिक्षेबाबत व इतर न्यायनिर्णयाविरूध्द आव्हानीत केलेले अपील आणि पुर्नविलोकनाची प्रकरणेही सत्र न्यायालयात दाखल होतात व ती नियमाप्रमाणे निकाली काढण्यात येतात.

लैंगिक अत्याचारापासुन बालकांचे संरक्षण अधिनियमांतर्गत येणारी प्रकरणे, अंमली पदार्थ अधिनियमाखाली येणारी प्रकरणे, महाराष्ट्र संघटीत गुन्हेगारी कायद्यांतर्गत येणारी प्रकरणे, भ्रष्टाचार प्रतिबंधक अधिनियमांतर्गत येणारी प्रकरणे, विद्युत अधिनियम २००३ अंतर्गत येणारी प्रकरणे, महिलांवरील अत्यांचारांची प्रकरणे, अनुसूचित जाती व जमाती अत्याचार प्रतिबंधक कायद्यांतर्गत येणारी प्रकरणे ही दाखल होतात व या सर्व प्रकरणात पुरावा नोंदवुन ती नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात.

प्रशासकीय किंवा इतर सबळ कारणांवरून जिल्हयातील कोणत्याही न्यायालयातुन फौजदारी स्वरूपाची प्रकरणे आवश्यक त्या न्यायालयात वर्ग करण्याचा अधिकार प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश यांना आहेत.

जिल्हा व सत्र न्यायालयाच्या कार्यालयाच्या कामाचे प्रामुख्याने दोन भाग पडतात. पहिला भाग हा न्यायीक कामाशी संबंधीत असुन दुसरा भाग हा प्रशासकीय कामाशी संबंधीत आहे.

न्यायीक व प्रशासकीय ह्या दोन्ही भागावर प्रबंधक, जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर यांचे नियंत्रण व पर्यवेक्षण असते. न्यायीक विभाग व प्रशासकीय विभाग ही दोन्ही कार्यासने संबंधीत अधिक्षक यांच्या थेट नियंत्रणाखाली कार्यरत आहेत.

प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश, चंद्रपूर यांना प्रशासकीय कामात सहाय्य करण्यासाठी न्यायालय व्यवस्थापक हे पद निर्माण केले गेले असुन व्यवस्थापक माननीय उच्च न्यायालयाने निर्देशीत केल्यानुसार विविध प्रकल्पांची अंमलबजावणी व निर्देशीत केलेली अन्य प्रशासकीय कामे करीत असुन मा. प्रमुख जिल्हा न्यायाधीशांच्या निर्देशानुसार काम करत असतात.

## विभागांच्या कामाचा सविस्तर तपशिल

### न्यायीक शाखा

जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर या कार्यालयाच्या मुख्य न्यायिक शाखेचे कामकाज संबंधीत अधिक्षक यांच्या नियंत्रणाखाली चालते. जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर येथे दाखल होणारी सर्व दिवाणी व फौजदारी प्रकरणे, भुसंपादन प्रकरणे आणि अन्य न्यायीक व अर्धन्यायीक स्वरूपाची प्रकरणे प्रबंधक यांचेकडे व मोटार अपघात दावा प्रकरणे अधीक्षक यांचेकडे व सत्र प्रकरणातील दोषारोपपत्र ही सहायक अधीक्षक यांचेकडे स्वीकारली जातात. त्यानंतर संगणकामध्ये नोंदणी केल्यानंतर न्यायीक विभागास पाठविल्या जाते. अधिक्षक व सहायक अधिक्षक, न्यायीक विभाग, जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर हे न्यायालयात दाखल झालेल्या सर्व प्रकरणांची छाननी करतात. छाननीअंती दाखल होणारी सर्व प्रकरणे अधिक्षक यांच्या मार्फत मा. प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश यांचा नोंदणीबाबत व वर्ग करण्याबाबत आदेश घेतला जावुन सदरील प्रकरणे प्रचलीत नियमांनुसार विविध न्यायालयात सुनावणीसाठी व कायद्यानुसार निकाली काढण्यासाठी वर्ग केली जातात.

### अभिलेख विभाग

चंद्रपूर जिल्हा न्यायालयात जिल्हा न्यायालयातील अभिलेख कक्ष तसेच जिल्ह्यातील प्रत्येक आस्थापनेमध्ये नक्कल विभाग हा स्वतंत्रपणे कार्यरत असुन न्यायालयीन प्रकरणातील प्रमाणीत नकला जर पक्षकारांना आवश्यक असतील तर नियमास अनुसरून रितसर अर्ज सादर करून व त्याचे योग्य ते शुल्क अदा केल्यास, पक्षकारांना न्यायालयीन प्रकरणातील कागदपत्रांच्या साक्षांकित नकला उपलब्ध करून दिल्या जातात.

दिवाणी व फौजदारी नियमावलीनुसार विहित केलेले शुल्क आकारून किंवा ज्या प्रकरणात निःशुल्क प्रमाणीत प्रत देण्याची तरतुद आहे, अशा प्रकरणात नियमानुसार निःशुल्क प्रमाणीत प्रतीही संबंधीतास उपलब्ध करून देण्याचे काम अभिलेख कक्षांतर्गत नक्कल विभागात केले जाते.

निकाली प्रकरणातील संचिकांचा भागनिहाय जतन करण्याचा कालावधी संपल्यानंतर नष्ट करणे तसेच योग्य कागदपत्रे वर्गीकृत करून अशी कागदपत्रे, संचिकांचा भाग विहित कालावधीनंतर नष्ट करण्याचे काम देखील अभिलेख कक्षांतर्गत केले जाते.

### निरीक्षण विभाग

माननीय उच्च न्यायालयाच्या निर्देशानुसार चंद्रपूर येथील जिल्हा व सत्र न्यायालयाअंतर्गत येणारी सर्व न्यायालयांच्या वार्षिक निरिक्षणाचे काम जिल्हा न्यायालयाच्या निरिक्षण शाखेतर्फे केले जाते.

## आस्थापना/प्रशासकीय विभाग

जिल्हा व सत्र न्यायालय चंद्रपूरच्या प्रशासकीय विभागाचे कामकाज अधिक्षक (वित्त/आस्था) यांच्या प्रत्यक्ष नियंत्रणाखाली केले जाते. प्रशासकीय विभागाच्या नियंत्रणाखाली खुद्द प्रशासकीय विभागाशिवाय वित्त व लेखा विभाग, संगणक विभाग, ग्रंथालय, मौल्यवान मुद्देमाल, आवक-जावक इत्यादी विभाग कार्यरत आहेत.

प्रमुख जिल्हा न्यायाधीश, चंद्रपूर हे स्वतः प्रशासकीय / आस्थापना विभागाचे प्रमुख असुन या विभागाच्या अधिनस्त अन्य विभागातील कामकाजांवर देखरेख व नियंत्रण ठेवणे हे काम प्रशासकीय / आस्थापना विभागाच्या अखत्यारीत मोडते.

प्रशासकीय विभागातंर्गत कर्मचा-यांच्या वार्षिक सर्वसाधारण बदल्या, ज्येष्ठता यादी, सेवापुस्तक, रजा, इमारतीची देखभाल, सेवानिवृत्ती विषयक प्रकरणे, वेतन निश्चिती, कर्मचा-यांच्या पदोन्नती, भरती प्रक्रिया, न्यायिक अधिकारी व कर्मचारी यांच्या सेवा विषयक बाबी व अन्य तत्सम स्वरूपाची कामे पार पाडली जातात.

चंद्रपूर जिल्हा न्यायीक विभागातील सर्व मुख्य बांधकामे व अस्तित्वातील बांधकामाची दुरूस्ती बाबतीतील सर्व प्रकरणे जिल्हा न्यायालयाच्या बांधकाम विभागामार्फत न्यायालयीन व्यवस्थापक यांचे मदतीने हाताळली जातात. नवीन इमारतीसाठी जागेची उपलब्धता पाहणे, नवीन इमारतीसाठी विहित कार्यपध्दतीचा अवलंब करून सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडुन नकाशा, अंदाजपत्रके तयार करून घेवून आदरणीय उच्च न्यायालयास सादर करणे व अनुषंगीक कामे बांधकाम विभागात केली जातात. न्यायीक अधिकारी व कर्मचारी यांना शासकीय निवासस्थान उपलब्ध करून देण्याचे काम या विभागात मोडते.

## लेखा व वित्त विभाग

न्यायालयात दाखल होणा-या रक्कमा दोन प्रकारे वर्गीकृत केल्या जात असतात. पहिल्या भागात शासकीय रकमा तर दुस-या भागात अशासकीय रकमांचा अंतर्भाव असतो. शासकीय रकमांमध्ये अधिकारी व कर्मचारी यांचे वेतन व भत्ते आणि शासनास जमा करावयाच्या रकमा मुख्यत्वेकरून समाविष्ठ असतात. दैनंदीन न्यायालयीन कामकाजासाठी आवश्यक अन्य खर्चांच्या रकमांचा देखील जसे - विद्युत आकाराचे देयक, दुरध्वनी देयक, सर्व प्रकारचे कर, नळपट्टी भाडे, फर्निचर, वस्तु, स्टेशनरी इत्यादी कामे. अशासकीय रकमामध्ये पक्षकारामार्फत न्यायालयात दाखल केलेल्या विविध रकमांचा समावेश असतो, जसे पोटगीची रक्कम, हुकूमनाम्यांतर्गत जमा केलेल्या रकमा, रोख प्रतीभूती इत्यादी कामे लेखा व वित्त विभागाअंतर्गत येतात.

चंद्रपूर जिल्हा न्यायिक विभागांतर्गत कार्यरत विविध कार्यालयातील विविध बाबी बाबत सादर केलेल्या देयकांवर अनुदान मंजुर करणे व त्याअनुषंगाने शासकीय अनुदानाची मागणी करणे कामी अंदाजपत्रके तयार करणे व खर्चाचे वार्षीक अंदाजपत्रक तयार करणे इत्यादी कामे वित्त विभागाच्या अखत्यारीत असलेल्या बजेट विभागातून पार पाडले जातात.

## संगणक विभाग

जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर व चंद्रपूर न्यायिक विभागातील सर्व न्यायालयाच्या झालेल्या / होत असलेल्या संगणकीकरणाबाबत सर्व कामे, संगणक परीचलनासाठी संबंधीत सर्व बाबी जिल्हा न्यायालयाच्या संगणक विभागामार्फत केली जातात. सदर कामामध्ये माननीय उच्च न्यायालय, राज्यातील व जिल्हयातील अन्य सर्व न्यायालये, जिल्हयातील अन्य कार्यालये व कारागृहे यांच्याशी दृकश्राव्य माध्यमाव्दारे (Video Conference) संपर्क साधणे इत्यादी कामे संगणक विभागाच्या अखत्यारीत आहेत.

संगणक विभागातील सी.आय.एस. प्रणालीव्दारे पक्षकारांना ऑनलाईन रोजनामे, न्यायनिर्णय, आदेश इत्यादी पाहण्याची सुविधा उपलब्ध आहे. पक्षकार व वकीलांना सी.आय.एस. प्रणालीमार्फत ई-मेल व एस.एम.एस. व्दारे प्रकरणांची पुढील तारीख पाठविली जाते. कोविड-१९ सारख्या संक्रमण काळात किंवा तत्सम परिस्थितीमध्ये जेल मधील आरोपींना, त्यांच्या तारखेच्या दिवशी, दृकश्राव्य माध्यमाव्दारे (Video Conference) हजर करून संचिकेतील साक्षीपुरावा नोंदविण्याचे काम यामुळे सहज शक्य आहे.

## मुख्य न्यायदंडाधिकारी यांचे न्यायालयात खालील प्रमाणे प्रकरणे दाखल होतात.

### फौजदारी प्रकरणे

फौजदारी प्रक्रिया संहिता अंतर्गत त्या न्यायालयाच्या कार्यक्षेत्रात येणारी सर्व प्रकारची प्रकरणे व इतर फौजदारी कायद्यानुसार कार्यक्षेत्रानुसार प्रकरणे दाखल होतात आणि प्रत्येक न्यायदंडाधिकारी प्रथम वर्ग यांचे न्यायालयात निकाली काढण्याकरीता वर्ग केले जातात व या सर्व प्रकरणात साक्ष पुरावा नोंदवुन ती नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात.

## दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर यांचे न्यायालयात खालीलप्रमाणे प्रकरणे दाखल होतात.

### दिवाणी प्रकरणे

साधारणतः दिवाणी प्रक्रिया संहितेनुसार कार्यपध्दती असुन, आर्थिक मुल्य रूपये पाच लाखच्या वरचे सर्व दिवाणी प्रकरणे, शासनाचे विरोधात असलेली व शासनाने दाखल करावयाची दिवाणी प्रकरणे, हिंदु विवाह कायद्यांतर्गत येणारी प्रकरणे, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम १९२५ अन्वये सदर न्यायालयाच्या अधिकार क्षेत्रात येणारे वारसपत्र ही प्रकरणे दाखल होतात व पुरावा नोंदवुन ती नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम १९२५ आणि बॉम्बे विनियमन ७ सन १८२७ अन्वये सदर न्यायालयाच्या अधिकार क्षेत्रात येणारी वारसपत्र मिळण्याचे अर्ज ज्यात हरकत घेण्यात आलेली आहे अशी प्रकरणे नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात. तसेच सर्व दिवाणी न्यायालय, क.स्तर यांचे न्यायालयात निकाली काढण्याकरीता वर्ग केले जातात.

दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर यांना रक्कम रूपये एक कोटीचे आतील व्यावसायीक प्रकरणे दाखल करून घेण्याचे व ते नियमानुसार निकाली काढण्याचे अधिकार आहेत.

## दिवाणी न्यायाधीश कनिष्ठ स्तर व न्यायदंडाधिकारी प्रथम वर्ग यांचे न्यायालयात खालील प्रकरणे दाखल होतात.

### दिवाणी व फौजदारी प्रकरणे

मुख्य न्यायदंडाधिकारी यांचे न्यायालय सोडुन इतर सर्व न्यायालयांना दिवाणी स्वरूपाची प्रकरणे ही चालविण्याचा अधिकार आहे.

फौजदारी प्रक्रिया संहिते अंतर्गत त्या न्यायालयाच्या कार्यक्षेत्रानुसार येणारी प्रकरणे, जीवनावश्यक वस्तु कायदा, परक्राम्य संलेख अधिनियम कलम १३८, कौटुंबिक हिंसाचार प्रतिबंधक कायदा, वन्यजीव प्राणी कायदा, जन्म मृत्यु नोंदणी अधिनियम, गर्भलिंग निदान प्रतिबंध, मोटारवाहन, मुंबई ग्रामपंचायत, नगरपालीका अधिनियम, वजन व मापे कायद्यांतर्गत येणारे प्रकरणे, न्यायदंडाधिकारी प्रथम वर्ग यांना चालविण्याचे अधिकार असलेले फौजदारी स्वरूपाची प्रकरणे या न्यायालयात मुख्य न्यायदंडाधिकारी यांचे न्यायालयामार्फत दाखल होतात व या सर्व प्रकरणात पुरावा नोंदवुन ती नियमानुसार निकाली काढण्यात येतात. दिवाणी प्रकरणांमध्ये दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर यांचे कार्यक्षेत्रात किंवा इतर विशेष न्यायालयाचा कार्यक्षेत्रात येणारी प्रकरणे सोडुन, इतर सर्व आर्थिक मुल्य पाच लाखांखालील सर्व प्रकरणे दिवाणी न्यायाधीश कनिष्ठ स्तर या न्यायालयात चालतात.

## नागरिकांकरीता उपलब्ध सोयी-सुविधा

## जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर

जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूरच्या आवारामध्ये जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण / वैकल्पीक वाद निवारण केंद्र, चंद्रपूर या कार्यालयाची स्वतंत्र व सुसज्ज इमारत असुन सदरहु इमारतीस न्याय सदन म्हणून नाव देण्यात आलेले आहे. तेथे जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरणाचे कार्यालय आहे.

| | | |
|---|---|---|
| आस्थापनाचे नांव | - | जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर |
| पत्ता | - | जिल्हा न्यायालय, चंद्रपूर परिसर,<br>जिल्हा न्यायालय, चंद्रपूर. |
| दुरध्वनी क्रमांक | - | ०७१७२ - २७१६७९ |
| ई-मेल आयडी | - | distlegalcha@gmail.com |

उद्देश - "न्याय सर्वांसाठी" हे विधी सेवा प्राधिकरणाचे घोषवाक्य आहे. राज्य घटनेच्या अनुच्छेद १४ नुसार सर्व नागरिकांना समान संधी दिलेली आहे. त्याचप्रमाणे अनुच्छेद ३९ नुसार समाजातील दुर्बल घटकांना व नियमानुसार इतर घटकांना मोफत कायदे विषयक सहाय्य देण्याची राज्य शासनाची जबाबदारी आहे. तमाम नागरिकांच्या विशेषतः दुर्बल व गोरगरिबांच्या हक्काचे व हिताचे रक्षण व जोपासना करण्यासाठी विधी सेवा प्राधिकरणाची स्थापना झालेली आहे.

विधी सेवा प्राधिकरणाचे कार्य -

- ♣ न्यायालय / न्यायाधिकरण /प्राधिकरण समक्ष कोणतेही प्रकरण किंवा इतर कायदेशीर कार्यवाही चालविण्याच्या प्रक्रियेत विहित कार्यक्षेत्रानुसार समुपदेशनाच्या स्वरूपात मोफत विधी सहाय्य पुरविणे आणि मोफत विधी सेवा पुरविणे.
- ♣ खर्च व वेळेची बचत करून तसेच तांत्रीक बाबींचा अडसर टाळून जलदगतीने न्याय मिळवुन देण्याच्या हमी करीता, प्रलंबित प्रकरणांमध्ये तसेच असे वाद जे न्यायालयासमक्ष आणले गेले नाहीत अशा वादांमध्ये सुध्दा विहीत कार्यक्षेत्रानुसार समझोता करीता लोक न्यायालय आयोजित करणे.
- ♣ वैवाहिक वाद मध्यस्थ आणि समेट पध्दतीने मिटविणे.
- ♣ कच्चे वादातील पक्षकार आणि सर्व सामान्य जनतेत, सामाजिक व विधी दृष्टया महत्वाच्या मुद्दयांवर कायदेशीर बाबी संबंधी जागरूकता निर्माण करणे.
- ♣ कैद्यांना आणि न्यायाधीश बंदींना मोफत विधी सेवा प्रदान करणे.

वरील आस्थापने अंतर्गत येणा-या आस्थापना

सर्व तालुका विधी सेवा समिती, जिल्हा चंद्रपूर

कार्यालयीन कामकाजाची माहिती -

समाजातील दुर्बल घटकांना, मागासवर्गीय, स्त्रीया, मुले व इतरांना विधी सेवा व सल्ला पुरविणे, लोकन्यायालयाचे आयोजन करणे.

विधी सेवा प्राधिकरणाच्या कार्यालयाची रचना -

प्रमुख जिल्हा न्यायाधीश हे जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरणाचे अध्यक्ष आणि दिवाणी न्यायाधीश वरिष्ठ स्तर संवर्गातील न्यायीक अधिकारी हे सचिव असतात. तालुका पातळीवर तालुका विधी सेवा समितीची स्थापना करण्यात आली असुन तेथे कार्यरत असणारे वरिष्ठ न्यायाधीश हे त्या समितीचे अध्यक्ष असतात.

विधी सेवा पात्र व्यक्ती -

अनुसुचित जाती व जमातीचे व्यक्ती, अवैध मानवी व्यापारातील बळी किंवा भिकारी, स्त्रीया अथवा बालके, दिव्यांग व्यक्ती म्हणजेच अशा व्यक्ती ज्या अंधत्व, कुष्ठरोग, एका ठिकाणाहुन दुस-या ठिकाणी जाण्यात असमर्थता, बहिरेपण, मानसिक असमर्थता यांनी ग्रस्त आहेत, सार्वत्रीक आपत्ती, जातीय हिंसाचार, जातीय अत्याचार, पूर, दुष्काळ, भुकंप किंवा औद्योगिक आपत्तीचे बळी, औद्योगिक कामगार, अन्वीक्षाधीन, न्यायालयीन कोठडीत असलेल्या व्यक्ती ज्यांमध्ये सुरक्षागृहातील किशोरवयिन अपराधी, म्हणजेच १८ वर्षे पर्यंत वय असलेल्या व्यक्तींचा किंवा मनोरूग्णलयातील अथवा शुश्रुषालयातील मानसिक रूग्ण यांचा समावेश, वार्षिक उत्पन्न रुपये ३,००,०००/- पेक्षा कमी असलेल्या व्यक्ती यांना विधी सेवा तर्फे सुविधा पुरविण्यात येतात.

विधी सहाय्य प्राप्त करण्यासाठी कशाप्रकारे अर्ज करावा ?

- संक्षीप्त स्वरूपात तक्रार किंवा सहाय्यता प्राप्त करण्याचे कारण नमुद करून एक लिखीत स्वरूपात अर्ज दाखल करावा.
- जर अर्जदार अशिक्षित असेल किंवा लिहिण्याच्या स्थितीत नसेल तर, विधी सेवा प्राधिकरण / समितीचे सदस्य, सचिव किंवा अधिकारी त्यांचे तोंडी निवेदन नोंदवुन घेतील आणि नोंदविलेल्या निवेदनावर त्यांची सही / अंगठयाचा ठसा घेतील आणि असे निवेदन अशा व्यक्तीचा अर्ज समजण्यात येईल.
- अर्जदारास विधी सेवा प्राधिकरण / समितीकडे विनाशुल्क उपलब्ध असलेल्या एक विहित नमुण्यात शपथपत्र निष्पादित करून द्यावे लागेल, ज्यायोगे अर्जदाराची विधी सहाय्य प्राप्त करण्यासंबंधी निकष तपासून घेता येईल.
- विधी सेवा प्राधिकरण / समितीचे सचिव अर्जदाराची त्याचे शपथपत्रामध्ये सांगितलेल्या तथ्यांची पडताळणी करण्यासाठी तपासणीसुध्दा करू शकतात.

कोणत्या स्वरूपाची विधी सहाय्यता पुरविली जाते ?

- कोणत्याही न्यायालयीन कार्यवाहीशी संबंधीत देय किंवा झालेला सर्व खर्च.
- कोणत्याही कायदेशीर कार्यवाहीमध्ये मसुदालेखन करणे, दस्तऐवज तयार करणे आणि कायदेशीर कार्यवाहीमध्ये विधी व्यवसायीने प्रतिनिधीत्व करणे यासाठीचा खर्च.
- कायदेशीर कार्यवाहीमध्ये आदेशांच्या, न्यायनिर्णयांच्या प्रती / प्रमाणित प्रती मिळविण्यासाठी लागणारा खर्च व इतर किरकोळ खर्च.
- कायदेशीर कार्यवाहीमध्ये झालेला इतर खर्च, उदा. खटल्याचे कागद-पुस्तक तयार करणे (ज्यामध्ये कागद, छपाई आणि कागदपत्रांचे भाषांतर सामील आहे) आणि त्यास अनुषंगिक इतर खर्च.

विधी साक्षरता शिबिरे, चर्चासत्र व कार्यशाळा आयोजीत करणे

जनतेस त्यांचे हक्कासंबंधीची जाणीव करून देण्यासाठी व त्यांना कायदेविषयक साक्षर करण्यासाठी शिबिरे, चर्चासत्र व कार्यशाळा आयोजन केले जाते. प्रामुख्याने ग्रामीण व दुर्गम, झोपडपट्टी, कामगार वसाहत, शैक्षणिक संस्था वगैरे ठिकाणी भरविण्यात येतात. अन्याय निवारणाबाबत दाद मागण्यासाठी मार्गदर्शन केले जाते.

लोक न्यायालय भरविणे लोक न्यायालय म्हणजे काय ?

लोक न्यायालयाचे आयोजन विधी सेवा प्राधिकरणांमार्फत केले जाते. "लोक न्यायालय" म्हणजे या गाव पंचायतीचे आधुनिक स्वरूप, जेथे कायदा जाणणा-या निःपक्षपाती लोकांचे न्यायमंडळ त्यांच्यापुढे येणा-या प्रकरणांमध्ये सामंजस्याने न्याय्य तडजोड घडवितात. प्रत्येक जिल्हयाच्या व तालुक्याच्या ठिकाणी राष्ट्रीय विधी सेवा प्राधिकरण व महाराष्ट्र राज्य विधी सेवा प्राधिकरण यांचे आदेशानुसार लोक न्यायालयाचे आयोजन केले जाते.

लोक न्यायालयाबाबत माहिती कोठे मिळेल ?

जिल्हा व तालुका न्यायालयांमध्ये होणा-या लोक न्यायालयांची माहिती त्या-त्या जिल्हा व तालुका न्यायालयामध्ये कार्यरत असलेल्या जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण व तालुका विधी सेवा कार्यालयांकडुन मिळेल.

नुकसान भरपाई योजनांची अंमलबजावणी

पिडीतेस नुकसान भरपाई विषयीच्या योजना -

कलम ३५७ फौजदारी प्रक्रिया संहिता नुसार न्यायालयामध्ये खटला चालु असताना आरोपीस शिक्षा देताना फिर्यादी किंवा पिडीतेस नुकसान भरपाई देण्याची तरतुद फौजदारी प्रक्रिया संहितेत पूर्वीपासून आहे. परंतु आरोपी निर्दोष मुक्त झाला, फरार झाला, मयत झाला तर अशा परिस्थीतीमध्ये पिडीतेचे नुकसान होवुन सुध्दा नुकसान भरपाई मिळणे कामी तरतुद कायद्यामध्ये नव्हती. त्यानंतर सन २००९ साली कलम ३५७ अ नुसार फौजदारी प्रक्रिया संहितेमध्ये पिडीतास नुकसान भरपाई योजना याची तरतुद केलेली आहे. त्यानुसार राज्य सरकारने केंद्र सरकारशी सल्लामसलत करून पिडीत किंवा वारसांना नुकसान भरपाई मिळावी व त्यांचे पुर्नवसन व्हावे याकरीता योजना तयार करण्याची तरतुद करण्यात आली. सदर दुरूस्तीनंतर पिडीत व वारसांना नुकसान भरपाई मिळण्याच्या दृष्टीने तीन योजना कार्यरत आहेत त्या खालीलप्रमाणे.

- ♣ मनोधैर्य योजना.
- ♣ पिडीतेस नुकसान भरपाई योजना.
- ♣ नालसा लैंगिक अत्याचार / इतर गुन्ह्यातील बळी पडलेल्या / त्यातुन बचावलेल्या महिलांकरिता नुकसान भरपाई योजना २०१८.

मध्यस्थी म्हणजे काय ?

मध्यस्थी म्हणजे वैकल्पीक वाद निवारण प्रक्रियेचा एक भाग, ज्यात एक तटस्थ व्यक्ती म्हणजे मध्यस्थ, जो विवादक पक्षकारांमध्ये असणारा तंटा परस्पर संमतीने सोडविण्याकरीता मदत करतो. मध्यस्थ ही गोपनीय, ऐच्छीक परस्पर सहभाग असणारी अशी प्रक्रिया असुन पक्षकारांनी तंटा समोपचाराने सोडवता यावा याकरीता अनुकूल परिस्थिती निर्माण करतो.

मध्यस्थीकरीता अर्ज कसा करता येईल ?

दिवणी प्रक्रिया संहितेच्या कलम ८९ मध्ये नमुद प्रमाणे इतर कायद्यानुसार जर एखाद्या प्रकरणात सामोपचाराने तंटा मिटविण्याचा जराही वाव असल्यास पिठासीन अधिकारी ते प्रकरण मध्यस्थीकरीता मध्यस्थी केंद्राकडे पाठवतात. दोन्हीही पक्षकार समझोता करण्यास तयार नसतील, परंतु त्यांची मध्यस्थीच्या माध्यमाने समेटाची शक्यता शोधण्याची प्रामाणिक इच्छा असल्यास अशावेळी सुध्दा ते प्रकरण मध्यस्थीकडे पाठवणे योग्य आहे. मध्यस्थी प्रक्रियेसाठीची कालमर्यादा ६० दिवस असुन ती पक्षकाराच्या किंवा मध्यस्थांच्या विनंतीवरून पिठासीन अधिकारी यांचेकडुन ९० दिवसापर्यंत वाढविता येते.

जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण चंद्रपूर या विभागाने दिलेल्या सुविधा किंवा सेवा यांची सुची -

या कार्यालयात व्हीडीओ कॉन्फरन्सव्दारे विविध प्रकारच्या बैठकीचे आयोजन करता येते. जागोजागी भित्तीपत्रक लावुन सर्वसामान्य लोकांमध्ये जनजागृती निर्माण करून त्याची माहिती देण्याचा प्रयत्न केला जातो. या कार्यालयात बसण्यासाठी जागा, पिण्याच्या पाण्याची सुविधा व प्रसाधनगृहे ही उपलब्ध केलेली आहेत.

## माहितीचा अधिकार विभाग

माहितीचा अधिकार अधिनियम, २००५ हा नागरिकाभिमुख कायदा असल्यामुळे पारदर्शकता, उत्तरदायित्व व लोकसहभाग याचा त्रीवेणी संगम आहे.

### प्राधिकाराचे नांव - जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर

कार्यक्षेत्र - न्यायीक जिल्हा चंद्रपूर

माहितीचा अधिकार अधिनियम २००५ च्या अंमलबजावणीकरीता पदनिर्देशित करण्यात आलेल्या सहायक जनमाहिती अधिकारी, जनमाहिती अधिकारी व अपिलीय अधिकारी यांची माहिती.

| अ. क्र. | विभाग/कार्यालयाचे नांव | सहा. जनमाहिती अधिकारी | जनमाहिती अधिकारी | प्रथम अपिलीय अधिकारी |
|---|---|---|---|---|
| १ | जिल्हा व सत्र न्यायालय, चंद्रपूर. | १. सहायक अधीक्षक (अभिलेखागार) तथा सहायक जनमाहिती अधिकारी.<br>२. अधिक्षक (वित्त/आस्था.) तथा सहायक जनमाहिती अधिकारी. | प्रबंधक तथा जन माहिती अधिकारी, जिल्हा न्यायालय, चंद्रपूर. | जिल्हा न्यायाधीश-१, चंद्रपूर. |

### प्राधिकाराचे नांव - जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर

कार्यक्षेत्र - न्यायीक जिल्हा चंद्रपूर.

माहितीचा अधिकार अधिनियम २००५ च्या अंमलबजावणीकरीता पदनिर्देशित करण्यात आलेल्या सहायक जनमाहिती अधिकारी, जनमाहिती अधिकारी व अपिलीय अधिकारी यांची माहिती.

| अ. क्र. | विभाग/कार्यालयाचे नांव | सहा. जनमाहिती अधिकारी | जनमाहिती अधिकारी | प्रथम अपिलीय अधिकारी |
|---|---|---|---|---|
| १ | जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर | वरीष्ठ लिपीक, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर | अधिक्षक, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर | सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर. |
| २ | तालुका विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर | कनिष्ठ/वरिष्ठ लिपीक, तालुका विधी सेवा समिती. | अध्यक्ष, तालुका विधी सेवा समिती | सचिव, जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण, चंद्रपूर |

2/15/26

( श्रीमती एस.एस. भीष्म )
प्रमुख जिल्हा व सत्र न्यायाधीश,
चंद्रपूर.